

परियोजना का नाम:- चमोली जनपद के विकासखण्ड गैरसैण के नगर पंचायत गैरसैण के अन्तर्गत गैरसैण पम्पिंग पेयजल योजना हेतु आवश्यक कुल वन पंचायत भूमि 1.1463 है० एवं सिविल सोयम भूमि है० क्षेत्र में.....
.....कि०मी० लम्बी गैरसैण पम्पिंग पेयजल योजना के निर्माण कार्य।
भूमि - 1.1463 है०

प्रारूप-6

प्रारम्भिक संयुक्त निरीक्षण रिपोर्ट का प्रारूप

आज दिनांक 21/05/2019 को उपेनिक निरीक्षण (एजेन्सी का नाम) के द्वारा गैरसैण गैरसैण तक बनाये जाने वाले मार्ग/प्रस्तावित परियोजना को बनाये जाने हेतु स्थल निरीक्षण किया गया। संयुक्त निरीक्षण के समय वन विभाग की ओर से श्री राजस्व विभाग की ओर से श्री प्रस्तावक विभाग की ओर से श्री अन्य दावेदारों की ओर से श्री तथा स्थानीय प्रतिनिधि के रूप में श्री के द्वारा प्रश्नगत परियोजना को बनाने हेतु सर्वश्रेष्ठ स्थल/समरेखन के चयन तथा अन्य वैकल्पिक स्थलों/समरेखनों के चयन हेतु भाग लिया गया।

संयुक्त निरीक्षण में पाया गया कि सामाजिक आवश्यकता, परिस्थितिक आवश्यकता, आर्थिक मितव्ययता तथा तकनीकी आवश्यकता के दृष्टि से जो समरेखन/स्थल सर्वथा उपयुक्त पाया गया है उसमें (मी०) नाप भूमि से, (मी०) सिविल भूमि

से 1.1463 (मी०) वन पंचायत चयन में है० नाप भूमि है० हे० वन भूमि प्रभावित होगी एवं इस समरेखन/स्थल के हे० सिविल भूमि है० वन पंचायत भूमि 1.1463 है० हे० आरक्षित वन भूमि की आवश्यकता होगी। जिनमें से कुल हे० भूमि के हस्तान्तरण की आवश्यकता होगी। इस समरेखन पर/चुने गये स्थल पर लगभग वृक्ष प्रजाति के इस परियोजना के निर्माण से प्रभावित होंगे, जिनमें से बांज प्रजाति के प्रभावित होंगे।

इस समरेखन के तुलना में जो वैकल्पिक समरेखन देखे गये उसमें (मी०) नाप भूमि से, (मी०) सिविल (मी०) आरक्षित वन भूमि प्रभावित होगी एवं इस समरेखन/स्थल हे० सिविल भूमि है० वन पंचायत भूमि है० भूमि से, (मी०) वन पंचायत है० नाप भूमि है० हे०

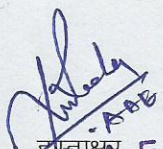
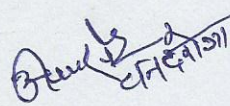
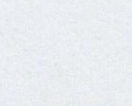
हे० आरक्षित वन भूमि की आवश्यकता होगी। हे० भूमि के हस्तान्तरण की आवश्यकता होगी। इस समरेखन पर/चुने गये स्थल पर लगभग वृक्ष के इस परियोजना के निर्माण से प्रभावित होंगे, जिनमें बांज प्रजाति के प्रभावित होंगे। अतिरिक्त अन्य वैकल्पिक एवं उपयुक्त भूमि उपलब्ध परियोजना के निर्माण हेतु चयनित विकल्प संख्या प्रथम है तथा इस चुने गये वन भूमि की मांग न्यूनतम है।

चयनित उपयुक्त स्थल/समरेखन आरक्षित वन है एवं इन कक्षों में प्रजाति के वन हैं। प्रभावित होने वाली नाप भूमि पर प्रजाति के वन है एवं प्रभावित होने वाली सिविल तथा नाप भूमि पर प्रजाति के वन है। चुने गये समरेखन का प्रारम्भ होने के स्थल से प्रारम्भ होता है तथा समरेखन का अन्तिम स्थल है। स्थल के बीच के स्थलों के GPS मान 30° 55' 23.50" N 79° 17' 01.59" E है। यहाँ का अन्य स्थानान्तरित (translocate) किया जाना आवश्यक होगा।

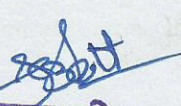
चयनित उपयुक्त स्थल/समरेखण के चयन से ग्रामवासियों के परम्परागत अधिकारों का हनन होगा / नहीं होगा ।

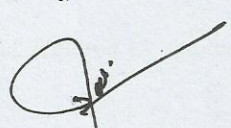
इस समरेखण पर पेयजल योजना के निर्माण के दौरान जो मलवा उत्सर्जित होगा उसके निस्तारण हेतु.....X.....
.....स्थल उपयुक्त पाये गये हैं जिनका GPS मान X.....है।

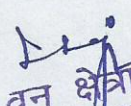
अन्य आवश्यक विवरण इस योजना के निर्माण के फलस्वरूप किसी भी प्रकार के हानि प्रतिक्रिया नहीं होगी। जो भी मलवा उत्सर्जित होगा उसका निस्तारण उसी स्थल के भरण में बिना जोकाई।

 हस्ताक्षर A.A.E. (प्रमुख अभियन्ता) Uttarakhand Payal Nigam Karanprayag (Chamoli)	 हस्ताक्षर वन विभाग (वन विभाग) प्रतिनिधि	 हस्ताक्षर राजस्व विभाग (राजस्व विभाग) प्रतिनिधि	 हस्ताक्षर (अन्य दावेदार) प्रतिनिधि	 हस्ताक्षर (जन प्रतिनिधि) प्रतिनिधि
---	---	---	---	---

नोट- इस रिपोर्ट पर भूवैज्ञानिक की राय भी प्रस्ताव बनाने से पूर्व में ही प्राप्त कर ली जाये।

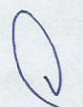

सहायक अभियन्ता
निर्माण शाखा
उत्तराखण्ड पेयजल निगम
कर्णप्रयाग (चमोली)


Executive Engineer
Constuction Division
Uttarakhand Pay Jal Nigam
Karanprayag (Chamoli)


वन क्षेत्राधिकारी
लोहवा रेंज
नैरसैण (चमोली)


प्रभागीय वनाधिकारी
केदारनाथ वन्य जीव प्रभाग
गोपेश्वर।


तहसीलदार
नैरसैण


वन क्षेत्राधिकारी
नैरसैण